Patrika (Indore), 18th April 2013, Page- 02

डिजाइन तैयार पूरी तरह कांच से बनेगा इंदौर का आईआईटी, अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा भवन

बिजली नहीं सूरज से रोशन होगा आईआईटी

इंदौर

cityreporter.indore@patrika.com

आईआईटी इंदौर का नया भवन एक कम्प्लीट ग्लास स्ट्रक्चर के रूप में तैयार होगा। इमारत की इसी खूबी की वजह से दिन में रोशनी पाने के लिए अतिरिक्त ऊर्जा खर्च नहीं करना होगी। सूर्य से ही भवन में प्रकाश की जरूरत आसानी से पूरी हो सकेगी।

आईआईटी इंदौर के भवन का डिजाइन इस तरह तैयार किया जा रहा है कि पर्यावरण के संसाधनों का अधिक से अधिक इस्तेमाल किया जा सके। बिल्डिंग में सनसेट कंट्रोल के कंसेप्ट का भी इस्तेमाल किया जाएगा। यह शहर के लिए नया अनुभव होगा। आईआईटी की तरह ही इस भवन की भी अपनी पहचान होगी। आईआईटी अफसरों के मुताबिक जल्द ही निर्माण शुरू होगा।

2015 तक किराए से

17 फरवरी 2009 को तत्कालीन मानव संसाधन विकास मंत्री अर्जुन सिंह ने इंदौर से 25 किलोमीटर दूर सिमरोल में आईआईटी का शिलान्यास किया था। फिलहाल 2015 तक भी किराए के भवन में ही आईआईटी की क्लास लगेगी। आईआईटी के डायरेक्टर डॉ. प्रदीप माथुर के अनुसार आईआईटी इंदौर का कैंपस पूरी तरह हाईटेक और स्टेट ऑफ हार्ट रहेगा। इसमें ऐसे ऑटोमैटिक सेंसर्स का इस्तेमाल किया जाएगा जो सूरज की रोशनी के अनुसार लाइट नियंत्रित करेंगे।

आना-जाना आसान

आईआईटी का डिजाइन इस तरह से तैयार किया है जिससे आईआईटीयन और फैकल्टी एक-दूसरे के संपर्क में रह सकें। इस डिजाइन के तहत निर्माण होने के बाद एक ब्लॉक से दूसरे ब्लॉक तक आसानी से पहुंचा जा सकेगा। इससे इंटरेक्शन में कोई दिक्कत नहीं होगी और पारदर्शिता भी बनी रहेगी।

दीक्षांत समारोह में आएंगे राष्ट्रपति

आईआईटी इंदौर की पहली बैच भी 2009-10 में लगी थी। पहली बैच में प्रवेश लेने वाले छात्रों के लिए 8 मई को दीक्षांत समारोह रखा है। समारोह के मुख्य अतिथि राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी होंगे। वे बैच टॉपर्स को गोल्ड मैडल देकर सम्मानित करेंगे।

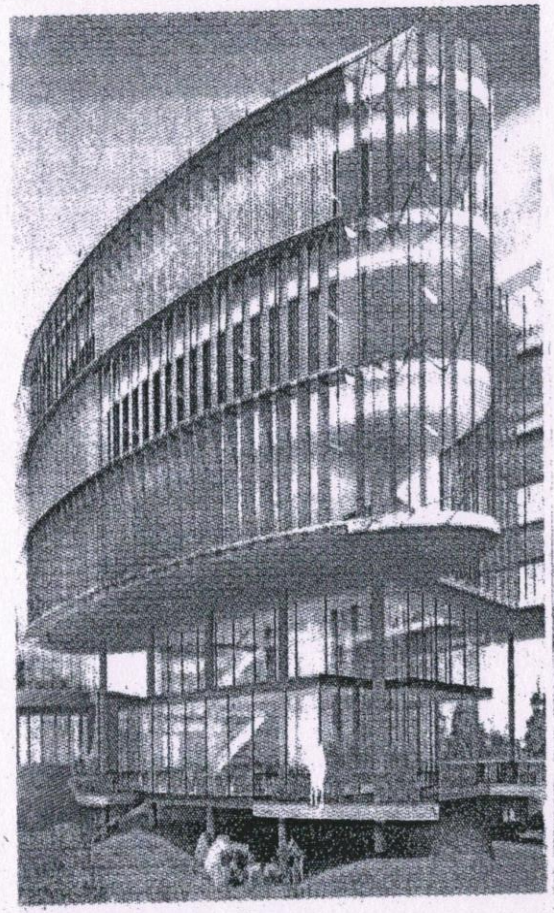

बनने के बाद ऐसा दिखेगा आईआईटी का भवन।